एक नजर में

बीज विक्रेताओं की दुकानें सील

गुना। जिले में संचालित गुण नियंत्रण सघन अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश एवं उप संचालक कृषि श्री संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय दल ने कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकानों में संधारित स्टॉक रजिस्टर और वहां मौजूद भौतिक मात्रा में भारी विसंगति व कमियां पाई गईं। इस गड़बड़ी पर कड़ा रुख अपनाते हुए जांच दल ने मेसर्स मडवरिया बीज भंडार (गुना), मेसर्स शिवहरे ट्रेडर्स (गुना) और मेसर्स उमा कृषि सेवा केंद्र (गुना) के गोदामों व दुकानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है।

लाउडस्पीकर और डीजे पर प्रतिबंध 23 अगस्त तक बढ़ा

गुना। जिला प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण, कानून व्यवस्था और आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लाउडस्पीकर और डीजे के उपयोग पर प्रतिबंधात्मक आदेश की म्याद आगामी 23 अगस्त तक बढ़ा दी है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट किशोर कुमार कन्याल द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इसके तहत संपूर्ण गुना जिले में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का सार्वजनिक उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। नियमों के अनुसार, सड़कों, चौराहों या सार्वजनिक मार्गों पर डीजे का चलित या स्थिर रूप से उपयोग नहीं किया जा सकेगा। डीजे केवल विधिवत अनुमति प्राप्त रात 10 बजे तक बजेगा।

पानी के लिए सड़क पर संग्राम!, जाम से सड़क पर थमे वाहन

नल-जल योजना ठप होने से फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, खाली बर्तन लेकर गढ़ा बस स्टैंड पर किया चक्काजाम

नवभारत न्यूज

गुना 24 जून का। जिला मुख्यालय से महज 10 किमी दूर बसे गढ़ा गांव में पिछले छह महीनों से जारी गंभीर पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा आखिरकार बुधवार को सड़क पर फूट पड़ा। भीषण गर्मी के इस मौसम में बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे ग्रामीणों ने स्थानीय सरपंच और सचिव द्वारा कोई सुनवाई न किए जाने से आक्रोशित होकर गढ़ा बस स्टैंड पर चक्काजाम कर दिया।

बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने खाली बर्तनों को मुख्य सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिसके कारण झागर और धरनावदा की ओर जाने वाले वाहनों के पहिए पूरी तरह थम गए और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। गढ़ा गांव के प्रदर्शन ने सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना की जमीनी हकीकत को पूरी तरह उजागर कर दिया है। सरकार ने विकास के बड़े-बड़े दावे करते हुए ग्रामीण इलाकों में अधिकांश गांवों तक पाइपलाइन तो पहुंचा दी है और घर-घर नल भी लगा दिए हैं, लेकिन बुनियादी अव्यवस्थाओं और देखरेख के अभाव में इन नलों से पानी की एक बूंद तक नहीं टपक रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी नल-जल योजना पूरी तरह ठप पड़ी है। गांव के पारंपरिक जल स्रोत और हैंडपंप भी पूरी तरह सूख चुके हैं। स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि बच्चों को पिलाने के लिए लोग बस स्टैंड से पानी के पाऊच खरीदकर ले जा रहे हैं। वहीं, रोजमर्रा के अन्य कार्यों और निस्तार के लिए ग्रामीणों को तपती धूप में कई किलोमीटर दूर-दराज के खेतों में लगे ट्यूबवेलों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

मांगलिक कार्यक्रमों में निजी टैंकरों का भारी खर्च, जिम्मेदार मौन

गांव में इन दिनों शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्यक्रम चल रहे हैं, लेकिन पानी का कोई सरकारी इंतजाम या वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण ग्रामीणों को अपनी जेब से भारी-भरकम राशि खर्च कर निजी टैंकर मंगाने पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस विकट समस्या को लेकर उन्होंने कई बार पंचायत स्तर पर सरपंच और सचिव से गुहार लगाई और जिला प्रशासन को भी अवगत कराया, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी अनदेखी से मजबूर होकर ग्रामीणों को चक्काजाम जैसा उग्र कदम उठाना पड़ा।

अभी एक महीना और झेलनी पड़ेगी पानी की किल्लत

मौसम विभाग और स्थानीय विशेषज्ञों की मानें तो पानी की इस भारी किल्लत से आम जनता को अभी कम से कम एक महीना और जूझना पड़ सकता है। इसका मुख्य कारण यह है कि जिले में अभी तक मानसून का आगमन नहीं हुआ है। यदि आने वाले दिनों में मानसून दस्तक दे भी देता है, तो बारिश होने के बाद जल स्रोतों के रिचार्ज होने और वाटर स्टोरेज (जल भंडारण) प्रणालियों के पूरी तरह भरने में करीब 15 से 20 दिनों का समय लग जाता है। ऐसे में जब तक नदी, तालाब और बांधों का जलस्तर नहीं सुधरता, तब तक संकट बरकरार रहेगा।

केवल गांव ही नहीं, गुना शहर के ये पॉश और रिहायशी इलाके भी पानी को मोहताज

पानी का यह हाहाकार केवल ग्रामीण अंचलों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गुना शहर के भीतर भी हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। शहर के कुशमौदा, विकास नगर, नजूल कॉलोनी, पुरानी छावनी और शीतला माता मंदिर जैसे घने और प्रमुख रिहायशी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रतिदिन पानी के लिए भारी मशक्कत करना पड़ रही है। इन शहरी इलाकों में भी नगर पालिका की जल प्रदाय व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ा गई है, जिससे लोग सुबह से ही पानी के टैंकरों या दूर स्थित नलकूपों पर लाइन लगाने को मजबूर हैं।

पुलिस की समझाइश और आश्वासन के बाद खुला जाम

गढ़ा बस स्टैंड पर चक्काजाम और भारी हंगामे की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने सड़क पर बैठी आक्रोशित महिलाओं और ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस ने ग्रामीणों की जायज मांग को समझते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि इस गंभीर पेयजल समस्या के त्वरित समाधान के लिए वे स्वयं जिले के आला प्रशासनिक अधिकारियों से बात करेंगे और टैंकरों के माध्यम से जल्द से जल्द पानी की सप्लाई सुचारू कराई जाएगी। पुलिस प्रशासन की इस समझाइश और उचित कार्रवाई के ठोस आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त किया, जिसके बाद पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर जाम खुलवाया और करीब दो घंटे बाद यातायात पूरी तरह बहाल हो सका।

कुंभराज में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई महेश नवमी

गुना। नगर में माहेश्वरी समाज के आराध्य देव भगवान महेश का जन्मोत्सव 'महेश नवमी' श्रद्धा, उल्लास और सामाजिक सरोकार के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही, जिसकी शुरुआत विगत शाम से हुई। उत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में भगवान महेश की एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें माहेश्वरी समाज के सभी वर्गों के महिला-पुरुषों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शोभायात्रा के पश्चात भगवान की महाआरती की गई।

शाम के समय आयोजित मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक महेश वंदना के साथ हुआ। इस दौरान समाज द्वारा उन प्रतिभावान बच्चों का विशेष रूप से सम्मान किया गया, जिन्होंने विद्यालय और महाविद्यालयीन स्तर की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया है। महिला संगठन की जिला अध्यक्ष रूपाली कासट द्वारा इन सफल बच्चों को मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम की सफलता में समयबद्धता और सबको साथ लेकर चलने की भावना की सराहना की गई। माहेश्वरी समाज के सचिव संदीप राठी द्वारा किए गए कुशल मंच संचालन ने कार्यक्रम में समां बांध दिया, जिसकी सभी ने प्रशंसा की। इस दौरान मंच पर समाज के सभी मुख्य पदाधिकारी आसीन रहे। कार्यक्रम के अंतिम चरण में भगवान महेश की सामूहिक आरती की गई और इसके पश्चात सुरुचिभोज (भोज प्रसादी) के साथ दो दिवसीय भव्य जन्मोत्सव कार्यक्रम का समापन हुआ।

1008 कलशों से हुआ सबसे बड़े भगवान बाहुबली का महामस्तिष्काभिषेक

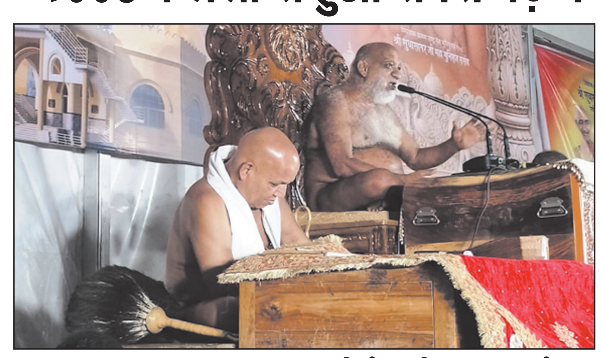

नवभारत न्यूज

गुना। नेशनल हाइवे-46 पर नवनिर्मित सर्वोदय ज्ञान तीर्थ क्षेत्र में उत्तर भारत की सबसे विशाल 45 फीट ऊंची भगवान बाहुबली की प्रतिमा का भव्य महामस्तिष्काभिषेक बुधवार को संपन्न हुआ। 5 फीट ऊंचे कमल आसन पर विराजमान इस अद्वितीय प्रतिमा का पहली बार 1008 कलशों से महामस्तिष्काभिषेक किया गया। यह ऐतिहासिक धार्मिक अनुष्ठान निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य और प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया के कुशल निर्देशन में पूरे विधि-विधान से पूरा हुआ। महोत्सव में प्रथम कलश का सौभाग्य जैन समाज के अग्रणी भामाशाह आर के मार्बल्स परिवार किशनगढ़ के अशोक पाटनी, शुशीला पाटनी, शांता पाटनी और तारीका विमल पाटनी ने ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त किया। वहीं दूसरी ओर से यह महासौभाग्य राजीव रस्सी, धर्मेंद्र बाझल और एस के जैन को मिला। प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया ने बताया कि दक्षिण भारत के श्रवणबेलगोला की तर्ज पर उत्तर भारत में पहली बार 76 फीट की ऊंचाई से कलश की धार छोड़ी गई। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्र संत मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज ने कहा कि प्रकृति ने धर्मात्मा को धर्म और पापी को पाप करने की खुली छूट दी है। पापी पाप करते-करते अहंकारी होकर फूल जाता है। उन्होंने गृहस्थों को सीख देते हुए कहा कि पुण्य जीवन की समस्त कालिमा को धो देता है और जो मंगलमय हो चुके हैं, उनका अनुसरण करने से ही गृहस्थ जीवन श्रेष्ठ बनता है। महोत्सव की पूर्णता पर विजय धुर्रा, एस के जैन और महामंत्री प्रदीप जैन एडवोकेट ने पंचकल्याणक महोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ की सफलता के लिए प्रशासनिक अमले, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सहित नगर के सभी समाजों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान संजीव वगुल्या, अरविंद जैन और अखिलेश जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बाल वेदज्ञ श्रेष्ठ भार्गव सम्मानित, कलेक्टर कन्याल का हुआ अभिनंदन

गुना। भारतीय संस्कृति, वैदिक परंपरा और प्रकृति संरक्षण के प्रति समर्पण का अद्भुत संगम गुना के मानस भवन में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में देखने को मिला। समारोह में अद्वितीय वैदिक प्रतिभा के धनी बाल वेदज्ञ श्रेष्ठ भार्गव को मुख्य अतिथि गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर कन्याल ने बाल वेदज्ञ की विलक्षण मेधा एवं सनातन संस्कृति के प्रति उनकी निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतिभाएं नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। इस अवसर पर कूनो नदी के उद्गम स्थल के संरक्षण, गुनिया नदी के पुनर्जीवन, स्वच्छता, जल संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए जिला जनकल्याण महासमिति, झांसी एवं जे.के.टी. नेचर केयर, झांसी की ओर से डॉ. जितेन्द्र कुमार तिवारी एवं निर्मल तिवारी के नेतृत्व में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उनके जनभागीदारी आधारित पर्यावरणीय प्रयासों को देश के लिए प्रेरणादायी बताया गया। समारोह में ज्वाइंट कलेक्टर संजीव खेमरिया, प्रो. सतीश चतुर्वेदी, रजनीश शर्मा, आनंद भार्गव एवं मनोज दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भार्गव समाज के प्रदेश अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद भार्गव, बुंदेलखंड ब्राह्मण विद्वत परिषद, झांसी के केंद्रीय अध्यक्ष आचार्य बृज किशोर हरभजन भार्गव, पंकज भार्गव सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्यास से तड़पती सकीना का पानी लाने कत्ल हो गए अब्बास

नवभारत न्यूज

गुना। मुहर्रम के प्रथम दस दिवस मुस्लिम समाज में इमाम हुसैन और उनके परिवार पर ढाए गए जुल्मों को याद कर मनाए जाते हैं। स्थानीय बोहरा मस्जिद में मुहर्रम की दूसरी तारीख से जारी वाज प्रवचन का सिलसिला बुधवार को योमे आशूरा (दसवीं तारीख) पर संपन्न हुआ। मुंबई से आए आमिल मुल्ला ताहिर ने करबला का दर्दनाक वाकया बयान करते हुए बताया कि इमाम हुसैन का पूरा कुनबा तीन दिन से भूख और प्यास से बेहाल था। छोटे बच्चों में आवाज निकालने तक की ताकत नहीं बची थी।

ऐसे में इमाम हुसैन की नन्ही बेटी सकीना ने सूखी मश्क पानी लाने के लिए अपने चाचा अब्बास को थमाई। बच्चों की प्यास देख अब्बास ने इमाम हुसैन से पानी लाने की इजाजत मांगी और नहर पहुँचे, जहाँ यजीद की फौज ने उनका बेदर्दी से कत्ल कर दिया। इमाम हुसैन इब्न अली करबला के मैदान में सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा के लिए शहीद हुए थे। उन्होंने अत्याचारी शासक यजीद की निष्ठा स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। करबला में उनके काफिले को घेरकर तीन दिनों तक पानी से महरूम रखा गया। आशूरा के दिन छह माह के शिशु अली असगर सहित इमाम हुसैन के पूरे परिवार और साथियों ने शहादत प्राप्त की। उनका यह बलिदान अन्याय के सामने न झुकने और मानवता का संदेश देता है।

योग पर हुआ सामूहिक स्वाध्याय और अभ्यास

गुना। विश्वगीताप्रतिष्ठानम् के 'गीता संस्कृत स्वाध्याय मंडल' द्वारा रविवार को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित शिव मंदिर में गीता स्वाध्याय का आयोजन किया गया। विश्व योग दिवस के अवसर पर धर्मप्रेमियों ने श्रीमद्भगवद्गीता के छठे अध्याय (आत्मसंयम योग) के श्लोकों का स्वाध्याय कर ध्यान-योग का व्यावहारिक अभ्यास किया। कार्यक्रम की शुरूआत यजमान कौशल्या रमेश शर्मा द्वारा गीता पूजन से हुई।

उन्होंने बताया कि ध्यान के लिए शांत स्थान पर रीढ़ और गर्दन सीधी रखकर मन एकाग्र करना चाहिए। साथ ही, संतुलित आहार-विहार को योग सिद्धि के लिए आवश्यक बताया।

हड्डीमील क्षेत्र में पड़ोसी दुकानदार ने पूरे परिवार पर किया हमला, 5 घायल

गुना। कैंट थाना क्षेत्र के बीजी रोड स्थित होटल प्रेम ग्रीन के पीछे बनी बस्ती में मंगलवार रात पुरानी रंजिश के चलते शराब के नशे में धुत कुछ लोगों ने एक ही परिवार के पांच लोगों पर बेरहमी से हमला कर दिया। घायलों में दो बुजुर्ग और दो महिलाएं भी शामिल हैं।

वारदात मंगलवार रात लगभग 9 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित परिवार की एक महिला अपनी दुकान पर बैठी थी, तभी पड़ोसी दुकानदार अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंच गया। आरोप है कि शराब के नशे में धुत इन लोगों ने महिला के साथ गाली-गलौज और अभद्रता करना शुरू कर दिया। जब दुकान पर ही मौजूद बुजुर्ग और परिवार के अन्य सदस्यों ने इस बात का विरोध किया, तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से उन पर हमला बोल दिया। इस हिंसक झड़प में एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया है। घायलों में 70 साल के मुंशीलाल चंदेल, 60 वर्षीय गुलाब बाई, 35 साल की सुमन, 28 साल के सौरभ चंदेल और 26 वर्षीय गौरव शामिल हैं। पीड़ित पक्ष का दावा है कि उनके पड़ोस में दुकान चलाने वाले व्यक्ति ने पुरानी रंजिश को लेकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया है। वह जानबूझकर अपने साथ नशे में धुत बदमाशों को लेकर आया था ताकि विवाद किया जा सके।

15 करोड़ से अधिक का हितलाभ वितरित

युवा संगम कार्यक्रम में 191 युवाओं को मिले ऑफर लेटर

गुना। युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय 'युवा संगम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में यह भव्य मेला शासकीय महाविद्यालय परिसर, चाचौड़ा बीनागंज में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन और छात्राओं के स्वागत गीत के साथ हुई। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियों में नौकरी के लिए कुल 269 आकांक्षी युवाओं ने पंजीयन कराया, जिनमें से योग्यता के आधार पर 191 युवाओं को मौके पर ही ऑफर लेटर प्रदान किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं प्रभारी एसडीएम चांचौड़ा अमित सोनी ने कहा कि युवा संगम बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार से जुड़ी जानकारियाँ पाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं से अपना कौशल विकसित करने के लिए आईटीआई संस्थानों में प्रवेश लेने का आग्रह किया और कहा, युवा किसी न किसी कंपनी से अपने कार्य की शुरूआत जरूर करें, ताकि भविष्य में उन्हें इस अनुभव का लाभ मिल सके।

15.28 करोड़ के लोन और हितलाभ का ऑनलाइन वितरण

मेले में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए शासन के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के 3,633 हितग्राहियों को कुल 15 करोड़ 28 लाख रुपये का हितलाभ ऑनलाइन वितरित किया गया। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र गुना की मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, पीएम मुद्रा योजना और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत हितग्राहियों को 1-1 लाख के ऋण स्वीकृत किए गए। मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों (जैसे निकिता समूह, नैतिक समूह और महादेव समूह) को 2 लाख से 3 लाख तक के सीसीएल (क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल) चेक सौंपे गए।

निशुल्क कराया गया स्वास्थ्य परीक्षण

शासन के आदेशानुसार इस बार युवा संगम में युवक-युवतियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और डॉक्टरों द्वारा नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही युवाओं को 'मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना' और 'प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना' जैसी कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला रोजगार अधिकारी बी.एस. मीना, कॉलेज प्राचार्य डॉ. आर.पी. मीना, अग्रणी बैंक प्रबंधक अजय राजपूत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मंजू शर्मा एवं आईटीआई प्राचार्या श्वेता कुशवाह द्वारा किया गया।

वैश्य समाज ने मनाया सेवा दिवस, विभिन्न सेवा कार्यों के साथ किया वृक्षारोपण

गुना। मध्यप्रदेश वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई गुना द्वारा आज बुधवार को संगठन के शिरोमणि संरक्षक एवं पूर्व गृहमंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता के जन्मदिवस को पूरे प्रदेश की तरह जिले में भी 'सेवा दिवस' के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संगठन द्वारा कई सामाजिक और सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों और युवा इकाई के सदस्यों द्वारा जिला अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में हनुमान चौराहा स्थित मंदिर में की गई। यहाँ सभी ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया और श्री उमाशंकर गुप्ता के उज्ज्वल भविष्य तथा दीघार्यु होने की कामना की। इसके बाद संगठन के सदस्य केंट गौशाला पहुँचे, जहाँ उन्होंने गोवंश को हरा चारा खिलाकर सेवा की। इस मौके पर जिला अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और गोसेवा ही संसार की सर्वश्रेष्ठ सेवा है।इस सेवा अनुष्ठान के दौरान वैश्य महासम्मेलन के जिला प्रभारी इंजी. डी.एन. नीखरा, महामंत्री विकास जैन नखराली, युवा इकाई के संभागीय अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, महामंत्री मयंक विजयवर्गीय, आर.डी. गुप्ता और कैलाश नारायण बंसल सहित समाज के कई गणमान्य नागरिक विशेष रूप से मौजूद रहे।